प्रश्न (1) : 3-9 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के साथ व्यवहार करते समय एक नेतृत्वकर्ता का सही रवैया क्या होना चाहिए?

- भेदभावपूर्ण रवैया
- कठोर व्यवहार
- सख्त आचरण
- **सकारात्मक और लचीली मानसिकता**

प्रश्न (2) : विद्यालय किस प्रकार विभिन्न परिवारों को बाल शिक्षा में शामिल नहीं कर सकते हैं?

- परिवारों के साथ जानकारी और ज़िम्मेदारी साझा करके
- परिवारों की आवश्यकताओं को संबोधित करके
- **विद्यार्थियों को केवल गृहकार्य देकर**
- परिवारों के साथ जुड़ाव पर भरोसा करके

प्रश्न (3) : निम्नलिखित में से कौन-सा बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान का विकासात्मक लक्ष्य नहीं है?

- **बच्चों का प्रभावी पाठक बनना**
- बच्चों का प्रभावी संचारक बनना
- बच्चों का संबद्ध विद्यार्थी बनना और तात्कालिक माहौल से जुड़ना
- बच्चों का स्वास्थ्य और कल्याण बनाए रखना

प्रश्न (4) : बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के संदर्भ में विद्यालय विकास योजना हेतु इनमें से क्या आवश्यक है?

- प्रशासनिक कार्य
- **3-9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों की विकास संबंधी आवश्यकताओं की योजना बनाना**
- विद्यालय का तकनीकी उन्नयन
- स्टाफ़ का व्यावसायिक विकास

प्रश्न (5) : शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व विशेषज्ञता का एक व्यापक क्षेत्र है जिसमें एक नेतृत्वकर्ता के पास....... होने की आवश्यकता होती है

- **3-9 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए उपयोगी शिक्षाशास्त्रों का गहन ज्ञान**
- 6-14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए लेन-देन परक शिक्षाशास्त्र का ज्ञान
- प्राथमिक कक्षा के शिक्षण विषयों की समझ
- प्रयोगात्मक मॉडल की समझ

प्रश्न (6) : विज़न के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है?

- विज़न स्टेटमेंट में भविष्य के प्रयोजनों की झलक मिलनी चाहिए
- विज़न को एक दिशा में होना चाहिए
- **भविष्य दृष्टि की कोई निर्दिष्ट समय-सीमा नहीं होती है**
- विज़न मूल्य संचालित होना चाहिए

प्रश्न (7) : परिवर्तनकारी नेतृत्व के लिए इनमें से कौन-सा सही नहीं

- एक साझी विज़न का निर्माण
- शिक्षकों का व्यावसायिक विकास
- **वित्तीय प्रबंधन**
- शिक्षकों को प्रेरित करना

प्रश्न (8) : एक शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्वकर्ता की भूमिका है।

- **बच्चों के लिए विभिन्न शैक्षणिक अभ्यासों पर शिक्षकों को प्रशिक्षित करना**
- बच्चों को अनुशासित करना
- अभिभावक को गलत सूचना प्रदान करना
- ग्रेड देने के क्रम में बच्चों का आकलन करना

प्रश्न (9) : नेतृत्व के किस मॉडल में, बच्चों की सांस्कृतिक और भाषाई पृष्ठभूमि के आधार पर विद्यालयी प्रक्रियाओं को निर्मित करने की बात की जाती है

- नवाचारी नेतृत्व
- रणनीतिक नेतृत्व
- **संदर्भ-विशिष्ट नेतृत्व**
- अकादमिक नेतृत्व

प्रश्न (10) : शिक्षकों को नयी जानकारी प्रस्तुत करनी चाहिए और इसे उन चीजों के साथ जोड़ना चाहिए, जिन्हें बच्चे

- **पहले से ही जानते हैं**
- नहीं जानते हैं
- जानना नहीं चाहते हैं
- सीखने के लिए प्रतिरोधी हैं

प्रश्न (11) : एक बच्चा अपने बाएँ हाथ से लिखता है और इस तरह

करने में सहज है, उसे चाहिए

- दाएँ हाथ से लिखने के लिए तैयार करना
- चिकित्सा सहायता लेने के लिए भेजना
- हतोत्साहित करना
- **उसकी पसंद को प्रोत्साहित करना**

प्रश्न (12) : बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान की अवधारणा.... बच्चों पर लागू होती है।

- **3-9 वर्ष आयु वर्ग के**
- 6-14 वर्ष आयु वर्ग के
- 5-13 वर्ष आयु वर्ग के
- 3-10 वर्ष आयु वर्ग के

प्रश्न (13) : बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफ.एल.एन.) को सुदृढ़ करने हेतु विद्यालय नेतृत्व के लिए कौन-सा मॉडल उपयुक्त नहीं है?

- परिवर्तनकारी नेतृत्व
- अनुकूलक नेतृत्व
- सहयोगात्मक नेतृत्व
- **अकादमिक नेतृत्व**

प्रश्न (14) : इनमें से कौन सी अवधारणा विद्यालयों में बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (FLN) के नेतृत्व हेतु प्रासंगिक नहीं है?

- बच्चे प्रेरित विद्यार्थी बनते हैं
- **समुदाय और अभिभावक के साथ संवाद नहीं करना**
- सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सक्षम करना
- 3-9 वर्ष आयु वर्ग के लिए प्रासंगिक शिक्षाशास्त्र पर शिक्षकों की क

BILUNIYA

प्रश्न (15) : हितधारकों के साथ सहयोगात्मक प्रक्रिया..... प्रोत्साहित कर सकती हैं।

- बच्चों की पढ़ने की आदतों को
- शिक्षकों के बीच समय की पाबंदी को
- विद्यार्थियों के बीच रचनात्मकता को
- **विद्यार्थियों के सीखने के प्रतिफलों हेतु साझा जवाबदेही को**

प्रश्न (16) : एक नेतृत्वकर्ता का वह गुण, जो प्रारंभिक स्तर पर सीखने के लिए उपयुक्त नहीं है

- भरोसा पैदा करना
- **सत्तावादी होना**
- बच्चे को केंद्र में रखना
- लचीली मानसिकता

प्रश्न (17) : 3-9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए इनमें से कौन-सा शिक्षाशास्त्र प्रासंगिक नहीं है?

- खेलपरक
- **सुकरात संवाद**
- गतिविधि आधारित
- खिलौना आधारित

प्रश्न (18) : एक नेतृत्वकर्ता 3-6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों को के माध्यम से संलग्न कर सकता है।

- व्याख्यान विधि
- प्रदर्शन विधि
- **खेल आधारित शिक्षाशास्त्र**
- वैज्ञानिक प्रयोगों

प्रश्न (19) : विद्यालय नेतृत्व कर सकता है –

- **बच्चों के बीच सुदृढ़ प्रारंभिक अधिगम क्षमता का निर्माण**
- विद्यालय प्रमुख के दिन-प्रतिदिन के प्रबंधन में मदद
- विद्यालय प्रमुख में अनुशासन लाना
- शिक्षक प्रबंधन में सहायता

प्रश्न (20) : इनमें से कौन विद्यालय-परिवार-समुदाय के बीच एक प्रकार की भागीदारी नहीं है?

- संचार करना
- पालन-पोषण करना
- **सहभागिता करना**
- स्वयंसेवा (वालंटियर) करना

प्रश्न (21) : इनमें से कौन शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व के ढांचे का हिस्सा नहीं है?

- सीखने-सिखाने की प्रक्रियाओं को सक्षम करना
- **विज्ञान प्रयोगशालाओं में प्रयोगों का नेतृत्व करना**
- विज़न एवं पाठ्यचर्या लक्ष्यों को परिभाषित करना
- हितधारकों के साथ नेटवर्क बनाना

प्रश्न (22) : इनमें से किसे एक "प्रवेश द्वार कौशल" के रूप में माना जा सकता है जो औपचारिक विद्यालयी शिक्षा प्रक्रियाओं में बच्चे के प्रवेश को चिह्नित करता है?

- प्रारंभिक पठन एवं लेखन कौशल
- **प्रारंभिक साक्षरता और संख्या ज्ञान कौशल**
- प्रारंभिक बोलने के कौशल
- प्रारंभिक गणितीय कौशल

प्रश्न (23) : निम्नलिखित में से कौन 'लर्निंग एट होम' (घर पर सीखना) को

भागीदारी के प्रकार में शामिल नहीं है?

- बच्चों की सीखने की ज़रूरतों, रुचियों और ताकतों के बारे में समझने में अभिभावक की मदद करना
- **यदि अभिभावक निरक्षर हैं, तो उनके साथ भेदभाव करना**
- शिक्षकों का अभिभावक के साथ चर्चा करना कि वे घर पर सीखने का माहौल कैसे बना सकते हैं
- अभिभावक के साथ उन गतिविधियों की एक सूची साझा करना, जो वह सीखने में सहायता के लिए घर पर कर सकते हैं

प्रश्न (24) : 3-9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के सीखने के आकलन हेतु उपयुक्त रणनीतियों में से एक होगी

- बच्चों को निर्धारित दिनचर्या का पालन करने के लिए कहना
- मासिक परीक्षण करना
- चित्रात्मक जानकारी एकत्र करना
- **विविध गतिविधियां करते हुए बच्चों का अवलोकन करना**

प्रश्न (25) : नेतृत्वकर्ता पूर्व-प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के साथ प्रभावी संबंध कैसे बना सकता है?

- **बच्चों की विकासात्मक आवश्यकताओं के बारे में शिक्षकों के साथ चर्चा करके और योजना बनाकर**
- शिक्षकों को एक सख्त दिनचर्या का पालन करने के लिए कहकर
- विद्यालय खाते का विवरण साझा करके
- शिक्षकों को 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करके

प्रश्न (26) : विद्यालय में प्रातःकाल आगमन समय को बनाये रखने के लिए पहली कक्षा के शिक्ष को कौन-सी रणनीति अपनानी चाहिए?

- देर से आने वालों को विद्यालय प्रमुख के कार्यालय में भेजना
- **बच्चों के लिए सामूहिक पठन जैसे नियमित आगमन कार्यों की शुरुआत**

करना, ताकि उन्हें समय पर आने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके

- बच्चों को कुछ न कहना
- आगमन समय के आधार पर अंक पाने और खोने की प्रणाली

प्रश्न (27) : सहयोगात्मक नेतृत्व की विशेषताओं में से एक है –

- बच्चों का संज्ञानात्मक विकास
- बच्चों का सामाजिक-भावनात्मक विकास
- साक्षरता और संख्यात्मक विकास
- **हितधारकों के बीच परस्पर विश्वास और सम्मान का निर्माण**

प्रश्न (28) : बच्चों की तर्क करने और दैनिक जीवन में सरल संख्यात्मक अवधारणाओं को प्रयोग करने की क्षमता को .....के भाग के रूप में माना जा सकता है।

- प्रारंभिक साक्षरता
- **प्रारंभिक संख्या ज्ञान**
- प्रारंभिक श्रवण
- प्रारंभिक मापन

प्रश्न (29) : शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्वकर्ताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी विद्यालयी प्रक्रियाओं में ....

- प्रधानाचार्य केंद्र में रहे
- शिक्षक केंद्र में रहे
- विद्यालय केंद्र में रहे
- **बच्चे केंद्र में रहें**

प्रश्न (30) : शिक्षाशास्त्रीय नेतृत्व सकारात्मक रूप से प्रभाव डालता है

- नेतृत्वकर्ता के कल्याण पर
- **बच्चों की सीखने की क्षमता पर**

- शिक्षक व्यवहार पर
- विद्यालय की चारदीवारी के निर्माण पर

प्रश्न (31) : निम्नलिखित में से कौन एक अनुकूलक नेतृत्वकर्ता की विशेषता नहीं है?

- **लोगों की नहीं सुनना**
- भरोसा पैदा करना
- प्रभाव डालना
- कठिन और बहुआयामी चुनौतियों का सामना करना

प्रश्न (32) : प्रभावी विद्यालय-अभिभावक के जुड़ाव में विश्वास करने वाले नेतृत्वकर्ताओं के यह कहने की अधिक संभावना है कि

- केवल अंग्रेजी बोलने वाले अभिभावक ही अपने बच्चों की मदद कर सकते हैं
- **सभी अभिभावक अपने बच्चों का समर्थन कर सकते हैं**
- केवल कुछ अभिभावक ही अपने बच्चों का समर्थन कर सकते हैं
- गरीब अभिभावक अपने बच्चों का समर्थन नहीं कर सकते

प्रश्न (33) : एक नेतृत्वकर्ता को 3-9 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के आकलन का आयोजन करना चाहिए

- उन्हें वर्गीकृत करने के लिए
- रैंक के अनुसार उन्हें रोक रखने के लिए
- उनकी ग्रेडिंग के लिए
- **उनकी क्षमता, आवश्यकता और रुचियों का आकलन करने के लिए**

प्रश्न (34) : सहयोगात्मक नेतृत्व की विशेषताओं में से एक है –

- **हितधारकों के बीच परस्पर विश्वास और सम्मान का निर्माण**
- साक्षरता और संख्यात्मक विकास
- बच्चों का सामाजिक-भावनात्मक विकास

- बच्चों का संज्ञानात्मक विकास

प्रश्न (35) : उस पद को चिह्नित करें, जिसे विद्यालय में बच्चे की प्रगति में सीखने के अंतराल (लर्निंग गेप) को लगातार बढ़ने के रूप में समझा जा सकता है

- **सीखने की क्षमता में संचयी कमी**
- सीखने की क्षमता में कुल कमी
- पढ़ने की क्षमता में कुल कमी
- लिखने की क्षमता में संचयी कमी

प्रश्न (36) : बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान (एफ.एल.एन.) को सुदृढ़ करने हेतु विद्यालय नेतृत्व के लिए कौन-सा मॉडल उपयुक्त नहीं है?

- अनुकूलक नेतृत्व
- **अकादमिक नेतृत्व**
- परिवर्तनकारी नेतृत्व
- सहयोगात्मक नेतृत्व

प्रश्न (37) : कक्षा 3 बच्चों के लिए सीखने का एक महत्वपूर्ण चरण है, क्योंकि यह बदलाव का प्रतीक है।

- 'पढ़ने के लिए सीखना' से 'लिखने के लिए पढ़ना' में
- 'लिखने के लिए सीखना' से 'सीखने के लिए पढ़ना' में
- 'लिखने के लिए सीखना' से 'लिखने के लिए पढ़ना' में
- **'पढ़ने के लिए सीखना' से 'सीखने के लिए पढ़ना' में**

प्रश्न (38) : एक पाठ को सटीकता, गति, अभिव्यक्ति और समझ के साथ पढ़ने की क्षमता, जो बच्चों को पाठ से अर्थ निकालने के लिए सक्षम बनाना, कहलाता है।

- कूटवाचन (डिकोडिंग)
- पढ़ने की समझ
- **धाराप्रवाह पढ़ना**
- मौखिक भाषा विकास

प्रश्न (39) : 'संचार' की भागीदारी के प्रकार में शामिल है

- यह विश्वास करना कि अभिभावक बच्चों के सीखने को प्रोत्साहित नहीं कर सकते
- अभिभावक से बात न करना
- **अभिभावक के साथ बच्चों के पोर्टफोलियो पर नियमित रूप से चर्चा करना**
- अभिभावक को सूचित करना कि उनके बच्चे कार्य-प्रदर्शन में सक्षम नहीं हैं

प्रश्न (40) : बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के संदर्भ में वयस्क और बच्चे के बीच क्या संबंध होना चाहिए?

- **भयमुक्त और आनंदपूर्ण**
- शिक्षक-विद्यार्थी
- भावनात्मक दूरी बनाए रखना
- अनुशासन परक

BILUNIYA